



क्वांटम तकनीक और उसके अनुप्रयोग पर राष्ट्रीय मिशन

प्रिलमिंस के लिये:

क्वांटम टेक्नोलॉजी और एप्लीकेशन पर राष्ट्रीय मिशन, क्वांटम तकनीक, बजट 2020-21

मेन्स के लिये:

भारत में क्वांटम तकनीक के विकास से संबंधित मुद्दे, क्वांटम तकनीक और भविष्य

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्र सरकार ने बजट 2020-21 में क्वांटम तकनीक और उसके अनुप्रयोग पर राष्ट्रीय मिशन (National Mission on Quantum Technologies & Applications- NMQTA) की घोषणा की है।

महत्त्वपूर्ण बिंदु

- इस मिशन के अंतर्गत क्वांटम प्रौद्योगिकी के विकास हेतु 5 वर्षों के लिये 8000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।
- इस मिशन का क्रियान्वयन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (Department of Science & Technology) द्वारा किया जाएगा।
- चूंकि निई अर्थव्यवस्था नवाचार पर आधारित है तथा वर्तमान आर्थिक व्यवस्था को बाधित करती है क्योंकि वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट-ऑफ-थिंग्स, 3 डी प्रिंटिंग, ड्रोन, डीएनए डेटा स्टोरेज, क्वांटम कंप्यूटिंग आदि द्वारा दुनिया के आर्थिक विकास का पुनः निर्धारण किया जा रहा है इसलिये क्वांटम तकनीक के विकास एवं विस्तार की दशा में उठाया गया यह कदम महत्त्वपूर्ण है।
- यदि भारत इस प्रौद्योगिकी (क्वांटम) में सफल रहता है तो भारत इस तकनीक में कामयाब होने वाला विश्व का तीसरा देश होगा।

मिशन का उद्देश्य

- इस मिशन का उद्देश्य भारत में क्वांटम तकनीक को विकसित कर देश के विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देकर प्रगतशील बनाना है।
- क्वांटम तकनीक के विकास से कंप्यूटिंग, संचार, साइबर सुरक्षा क्षेत्र में नए आयाम सृजित किये जा सकते हैं।

मिशन के फोकस क्षेत्र

- आधारभूत विज्ञान से संबंधित क्षेत्र
- अनुवाद संबंधी अनुसंधान
- तकनीक का विकास
- राष्ट्रीय महत्त्व के अन्य महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में उच्च कौशल युक्त नौकरियों, मानव संसाधन का विकास, स्टार्ट-अप और उद्यमिता के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया गया है जो तकनीकी विकास का नेतृत्व करता है।

मिशन का महत्त्व

- यह मिशन अगली पीढ़ी के लिये कौशल युक्त जनशक्ति तैयार करने, अनुवाद संबंधी अनुसंधान को बढ़ावा देने और उद्यमिता एवं स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र के विकास को प्रोत्साहित करने में सहायता करेगा।
- क्वांटम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, प्रौद्योगिकी विकास और उच्च शिक्षा विज्ञान तथा इंजीनियरिंग विषयों में उन्नत अनुसंधान को बढ़ावा देकर भारत को अन्य उन्नत देशों के समकक्ष लाया जा सकता है और कई प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभों को प्राप्त किया जा सकता है।
- क्वांटम प्रौद्योगिकियाँ तेज़ी से एक बड़ी वृद्धिकारी क्षमता के साथ विश्व स्तर पर विकसित हो रही हैं। अगली पीढ़ी की परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों जैसे- क्वांटम कंप्यूटर और कंप्यूटिंग, क्वांटम संचार, क्वांटम कुंजी वितरण, एन्क्रिप्शन, क्विंट विलेक्षण, क्वांटम डेवाइस, क्वांटम सेंसिंग, क्वांटम सामग्री, क्वांटम घड़ी आदि को इस मिशन के तहत प्रेरित किया जा सकता है।

- क्वांटम वजिज्ञान और प्रौद्योगिकी का वसितार एयरो-स्पेस इंजीनियरिंग, न्यूमेरिकल वेदर प्रेडिक्शन (Numerical Weather Prediction), समिलेशन, संचार और वतिलीय लेनदेन, साइबर सुरक्षा, उन्नत वनिरिमाण, स्वास्थ, कृषि, शकिषा इत्याद कषेत्र को सकारात्मक रूप से प्रभावति करेगा ।
- यह मशिन समाज की बढ़ती तकनीकी आवश्यकताओं को संबोधति करने में सकषम होगा और अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए प्रमुख देशों के अंतरराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी रुझानों और सड़कों के मानचित्रण को ध्यान में रखेगा ।
- इस मशिन के कार्यान्वयन से क्वांटम कंप्यूटर, अवरोध मुक्त सुरक्षा संचार व्यवस्था, क्वांटम एन्क्रिप्शन, क्वांटम-वशिलेण और इससे संबंधति तकनीकें वकिसति होंगी जसिसे देश में वशिषिट राष्ट्रीय और कषेत्रीय मुद्दों के समाधान में सहायता प्रापत होगी ।
- क्वांटम प्रौद्योगिकियों की सीमा एक प्रमुख प्रौद्योगिकी व्यवधान है, जो गणना, संचार और एन्क्रिप्शन के संपूरण परतमान को बदल देगी । कति यह माना जाता है क इस प्रौद्योगिकी से उभरते हुए कषेत्र में बढ़त हासलि करने वाले देशों को बहुपक्षीय आर्थिक विकास और नेतृत्व की भूमिका नभाने से अधिक लाभ प्रापत होगा ।



केन्द्रीय बजट
UNION BUDGET 2020

Budget 2020 announced Rs 8,000 crore over the next 5-yrs in the National Mission on Quantum technology and its applications

- The areas of focus for the NM-QTA Mission will be in fundamental science, translation, technology development and towards addressing issues concerning national priorities
- The mission can help prepare next generation skilled manpower, boost translational research and also encourage entrepreneurship and start-up ecosystem development.
- Quantum principles will be used for engineering solutions to extremely complex problems in computing, communications, sensing, chemistry, cryptography, imaging and mechanics



- Their applications which will be boosted include those in aero-space engineering, numerical weather predictions, simulations, securing the communications & financial transactions, cyber security, advanced manufacturing, health, agriculture, education
- It can bring India in the list of few countries with an edge in this emerging field will have a greater advantage in garnering multifold economic growth and dominant leadership role

IndiaDST

www.dst.gov.in

@IndiaDST

क्वांटम प्रौद्योगिकी के बारे में

- क्वांटम प्रौद्योगिकी क्वांटम सदिधांत पर आधारति है, जो परमाणु और उप-परमाणु स्तर पर ऊर्जा और पदार्थ की प्रकृति की व्याख्या करती है ।
- इस तकनीक की सहायता से डेटा और इन्फॉर्मेशन को कम-से-कम समय में प्रोसेस कया जा सकता है ।
- क्वांटम कंप्यूटर की मदद से कंप्यूटिंग से जुड़े टास्क कम-से-कम समय में कएि जा सकते हैं ।
 - क्वांटम कंप्यूटर्स क्वांटम टू लेवल ससि्टम (क्वांटम बटिस या क्यूबटिस) का उपयोग करके जानकारी संग्रहीत करते हैं और जो क्लासिकल बटिस के वपिरित सुपर स्पेशल स्टेट्स में तैयार कयि जा सकते हैं ।
 - यह महत्त्वपूर्ण क्षमता क्वांटम कंप्यूटरों को पारंपरिक कंप्यूटरों की तुलना में बेहद शक्तशाली बनाती है ।

आगे की राह

- सरकार और उद्योग दोनों के लयि यह अनविर्य हो गया है कविे इन उभरती और वघि्टनकारी तकनीकों को वकिसति करने के लयि तत्पर रहें जसिसे कसिंचार, वतिलीय लेन-देन, परतसिपरद्धी सामाजिक प्रगत, रोजगार, आर्थिक विकास और जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार कया जा सके ।
- सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम अत्यंत प्रगतशील है कति अब सरकार को इस मशिन की सफलता की दशिा में व्यापक कदम उठाने की आवश्यकता है ।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/national-mission-on-quantum-technologies-applications>

